

स्कीम है। उसके अलावा कोई और स्कीम नहीं है।

**अध्यक्ष महोदय :** क्या माननीय सदस्य लाटरी के हक में हैं ?

**श्री यशपाल सिंह :** जी नहीं। मैं उसके हक में नहीं हूँ।

**अध्यक्ष महोदय :** तो फिर माननीय सदस्य उसके बारे में पूछते क्यों हैं ?

**श्री यशपाल सिंह :** पहले प्राइज बांड्स और इन प्राइज बांड्स में कितना फर्क है ? पहले कितनी तादाद रही है और अब कितनी तादाद है ?

**श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा :** तादाद तो प्राइज बांड्स के बिकने पर मालूम होती है। पहले के प्राइज बांड्स और इनमें फर्क इतना ही है कि पहले प्राइज बांड्स (सौ रुपये वाले और पांच रुपये वाले) का जब भी ड्रा होता था, तो उनका भी ड्रा होता था। जो नये बांड्स निकाले गये हैं, उन का ड्रा साल में सिर्फ दो बार हुआ करेगा। मान लीजिये, १९६३ में हम ने बांड्स निकाले, तो उनकी गिनती दो बार १९६४ में होगी और अगर उनमें इनाम निकल सकेंगे, तो इनाम दिये जायेंगे। १९६५ में नये बांड्स की गिनती होगी इनामों के लिए। एक फर्क यह भी है कि जो पुराने बांड्स थे, उन पर कोई सूद नहीं मिलता था, जब कि नये बांड्स पर बराबर दो प्रतिशत का सूद भी मिलेगा।

#### राजघाट समाधि

+

\*६६०. { श्री प्रकाशबीर शास्त्री :  
श्री रामरतन गुप्त :  
श्री बसुमतारी :

**इया निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि के निर्माण में इस बीच और क्या

प्रगति हुई है और इस काम के कब तक पूरा हो जाने की संभावना है;

(ख) क्या यह सच है कि समाधी के मध्य में उत्कीर्ण शब्द "हे राम" वहाँ से हटा दिये गये हैं और उनको अब समाधि के नीचे के भाग की ओर उत्कीर्ण कर दिया गया है; और

(ग) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ?

**निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पू० शे० नास्कर) :** (क) मुख्य समाधि पर, जिसमें आंगन, संगमरमर की आड़ और चारों ओर बनी मिट्टी की मेंड सम्मिलित है, काम पूरा हो चुका है। ग्राम पास की भूमि को बगीच, बनावटी नहरें इत्यादि बना कर विकसित करने का काम इस समय चल रहा है और आशा है कि वह मार्च १९६५ तक पूरा हो जायेगा।

(ख) और (ग). महात्मा गांधी की समाधि को फिर से संवारने में उस पत्थर की शिला की जगह, जिस पर "हे राम" खुदा हुआ था, एक काले ग्रैनाइट की शिला लगाई जानी थी, जिस पर वे ही शब्द प्रविकारी इस्पात (स्टेनलेस स्टील) के प्रक्षरों लगाये जाने थे। उम्मी के अनुसार "हे राम" ये प्रक्षर ग्रैनाइट शिला के खड़े हुए पार्श्व में और ऊपर की ओर भी जड़ दिये गये हैं।

[(a) Work has been completed on the main Samadhi including the courtyard, the marble barriers and the surrounding earthen mound. The development of the land around with gardens, artificial canals, etc., is in progress and is expected to be completed by March, 1965.

(b) and (c). The redevelopment of Mahatma Gandhi's Samadhi involved replacement of the stone slab with the inscription "हे राम" by a black granite with the same text in stainless

steel lettering. The letters "हे राम" have, accordingly, been fixed on the vertical side of the granite as well as on its top.]

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** जब यह समाधि तैयार हुई थी, तो उस समय "हे राम", जो कि गांधी जी के अन्तिम शब्द थे, उनके हृदय-प्रदेश पर, अर्थात्, समाधि के ऊपर लिखे हुए थे। लेकिन बीच में इस प्रकार की बात उठाई गई कि "हे राम" लिखने से साम्प्रदायिकता की झूझ आती है, जिस के कारण कुछ लोगों को समाधि पर फूल-माला चढ़ाने में कष्ट होता है और इस आधार पर उन शब्दों को बिल्कुल हटा दिया गया। बाद में जनमत के प्रभाव से वे शब्द फिर लिख दिये गये, परन्तु वे हृदय-प्रदेश पर न लिखे जा कर चरणों पर लिखे गये, जब कि उनको हृदय-प्रदेश पर, अर्थात्, समाधि के ऊपर, लिखा जाना चाहिए था। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार उन शब्दों को उसी जगह पर, अर्थात्, समाधि के ऊपर, हृदय-प्रदेश पर, लिखने का विचार कर रही है, यदि हाँ तो कब तक।

**निर्माण, आवास तथा पुनर्वास मंत्री (श्री मेहरचन्द खन्ना) :** यह दुस्त है कि शब्द "हे राम" वैसे ही लिखे हुए थे, जैसे कि माननीय सदस्य ने कहा है। फिर हमें यह सूचना दी गई कि जहाँ लोग सामने आते हैं और चरणों पर फूल चढ़ाते हैं, वहाँ भी "हे राम" लिखा जाय। इसलिए हमने दोनों जगह, ऊपर भी और सामने भी, "हे राम" लिखा है।

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** "हे राम" पहले गांधी जी के हृदय-प्रदेश पर ही था। अब जो समाधि है, उस पर ये शब्द केवल चरणों में हैं।

**अध्यक्ष महोदय :** वह कहते हैं कि दोनों जगह पर हैं।

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** इस समाधि पर सरकार ने कुल कितना राया व्यय करने का निश्चय किया है और उसमें से अब तक

कितना व्यय हो चुका है और शेष कितना व्यय होना बाकी है ?

**Shri P. S. Naskar:** This Samadhi Project has been phased out into two. The first phase costs about Rs. 37 lakhs and the second one costs about Rs. 50 lakhs.

**Mr. Speaker:** What has been spent up till now?

**Shri P. S. Naskar:** We have worked only on the first phase and more or less it has been completed. I cannot say exactly how much has been spent; the C.P.W.D. has not yet furnished us that figure.

**Shri Basumatari:** May I know whether there was a committee set up to select the design for the Samadhi; if so, the name of the person who was the Chairman of that Committee and who were the members?

**Mr. Speaker:** Now we have far advanced that stage.

**Shri Basumatari:** When there was some dispute over the matter a committee was set up. I want to know the name of the person.

**The Minister of Works, Housing and Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna):** There is the Rajghat Samadhi Committee. I believe it has been appointed under the direction of the Parliament and there are Members representing both the Houses on that Committee. That Committee goes mostly into all these matters.

**Shri Basumatari:** I want to know the name of the person.

**Shri Mehr Chand Khanna:** The Chief Commissioner is the Chairman. Then, I think, we have Shri Shiv Charan Gupta from this House. I do not know the name of the other Member.

**Mr. Speaker:** I think Shri G. S. Musafir is a member.

**Shri Mehr Chand Khanna:** I am not sure. There is also a Member from Rajya Sabha. Then there is

Shri Chandiwala and somebody representing the Gandhi Smarak Nidhi. It is a well represented committee.

**श्री बृज बिहारी मेहरोत्रा :** क्या कोई ऐसा संकेत भी लिखा जायगा कि यह महात्मा गांधी की समाधि है क्योंकि इस तरह की कोई चीज कहीं पर लिखी हुई नहीं है ?

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** इस का नाम तो राजघाट है । यह गांधी समाधि है और हम जो चीज करते हैं, एक आर्किटेक्ट जो बम्बई का है और जिनका बड़ा नाम है, उनके कहने के ऊपर ही हम तमाम चीज कर रहे हैं । जो माननीय सदस्य का सुझाव है यह मैं राजघाट समाधि कमेटी के पास पहुंचा दूंगा। आगे जैसी उनकी सिफारिश होगी, उसको हम करेंगे ।

**श्री शिव नारायण :** क्या सारा खर्च सरकार ही करती है या गांधी मैमोरियल फंड जो है उसमें से भी रुपया खर्च हो रहा है ?

**श्री पू० शे० नास्कर :** सारा सरकार का खर्चा है ।

**श्री विभूति मिश्र :** क्या यह सही है कि "हे राम" जो गांधी जी के वक्ष स्थल पर था उसका लोग बहुत आदर करते थे और अब इन शब्दों को पैरों के पास लिख देने से लोगों को एतराज है; क्या यह अच्छा नहीं होगा कि ये शब्द छाती पर ही लिखे रहें ?

**अध्यक्ष महोदय :** इसका जवाब दे दिया गया है ।

**श्री विभूति मिश्र :** पैरों के पास अब ये शब्द लिखे हुए हैं और लोग इसका विरोध करते हैं । मैं चाहता हूँ कि वक्षस्थल पर ही "हे राम" शब्द रहें ।

**अध्यक्ष महोदय :** वह चाहते हैं कि यहां पर ये न रहें । सरकार इस पर भी गौर कर ले ।

**श्री गुलशन :** महात्मा गांधी पोलिटिकल विचारधारा के साथ साथ ईश्वर के भी

उपासक थे । हम यह चाहते हैं कि उनकी समाधि के ऊपर कोई प्रार्थना करने के लिए पार्टी रखी जाए । मैं जानना चाहता हूँ कि ऐसी पार्टी रखने का सुझाव भी क्या सरकार के विचाराधीन है ?

**अध्यक्ष महोदय :** यह नई सजेशन है । मिनिस्टर साहब इस पर भी विचार कर लें ।

**श्री श्रींकार लाल बेरवा :** गांधी स्मारक निधि के पास अब तक कितना रुपया इकट्ठा हुआ है और उसमें से इस काम के लिए कितना रुपया लगाया गया है ?

**Shri P. S. Naskar:** As I said earlier, all that expenditure.....

**Mr. Speaker:** What is the collection?

**Shri P. S. Naskar:** That I cannot say. All the expenditure so far has been met by the Government.

**श्री गुलशन :** मेरे सवाल का जवाब नहीं मिला है ।

**अध्यक्ष महोदय :** मैंने कहा है कि न दें ।

#### Premium Rates

\*661. { Dr. L. M. Singhvi:  
+  
Shri M. G. Thengondar:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether Government have reviewed or propose to review the premium rates for life insurance in this country according to actuarial considerations; and

(b) whether any detailed actuarial studies have been made with a view to considering the possibility of reducing premium rates?

**The Minister of Planning (Shri B. B. Bhagat):** (a) and (b). A detailed investigation of the mortality experience of assured lives for the years 1961 to 64 has been undertaken by the Life